बालकों के प्रति अभिभावकों का दैनंदिन व्यवहार में 'लिंग आचरण' का अध्ययन

बरकतउल्लाह विश्वविद्यालय – भोपाल की एम.एड़. (प्रारंमिक शिक्षा) उपाधि की आंशिक संपूर्ति हेतु प्रस्तुत

लधु शोध–प्रबन्ध

2004–2005

निर्देशक
श्री संजयकुमार पंडागले
व्याख्याता
शिक्षा विभाग, क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान
भोपाल

शोधकर्ता
हर्षद पटेल
एम.एड. छात्र

क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान
राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद
श्यामला हिल्स, भोपाल (म.प्र.)

2004:2005

बालकों के प्रति अभिभावकों का दैनंदिन व्यवहार में 'लिंग आचरण' का अध्ययन

D- 204

बरकतउल्लाह विश्वविद्यालय – भोपाल की एम.एड़. (प्रारंभिक शिक्षा) उपाधि की आंशिक संपूर्ति हेतु प्रस्तुत

लघु शोध–प्रबन्ध

2004–2005

विद्यया s मृतमश्नुते

एन.सी.ई.आर.टी.
NCERT

LIBRARY

निर्देशक
श्री संजयकुमार पंडागले
व्याख्याता
शिक्षा विभाग, क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान
भोपाल

शोधकर्ता
हर्षद पटेल
एम.एड. छात्र,

क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान
राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद
श्यामला हिल्स, भोपाल (म.प्र.)

प्रमाण–पत्र

प्रमाणित किया जाता है कि **हर्षद रेवाभाई पटेल,** क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान (एन.सी.ई.आर.टी.), भोपाल में एम.एड. (प्रारंभिक शिक्षा) के नियमित छात्र हैं। इन्होंने बरकतउल्लाह विश्वविद्यालय, भोपाल से शिक्षा में स्नातकोत्तर उपाधि प्राप्त करने हेतु प्रस्तुत लघु शोध प्रबंध **"बालकों के प्रति अभिभावकों का दैनंदिन व्यवहार में लिंग आचरण का अध्ययन"** मेरे मार्गदर्शन में पूर्ण किया है। यह शोधकार्य इनकी निष्ठा एवं लगन से किया गया मौलिक प्रयास है, जो पूर्व में इस आशय से विश्वविद्यालय में प्रस्तुत नही किया गया है।

प्रस्तुत लघु-शोध प्रबंध, बरकतउल्लाह विश्वविद्यालय की एम.एड्. (प्रारंभिक शिक्षा) परीक्षा सन् २००४-२००५ की आंशिक संपूर्ति हेतु प्रस्तुत है।

Pandagale 5/4/05

स्थान - भोपाल
दिनांक - 5/4/05

श्री संजयकुमार पंडागले
(व्याख्याता)
क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान (एन.सी.ई.आर.टी.)
भोपाल (म.प्र.)

आभार–ज्ञापन

प्रस्तुत लघु शोध प्रबन्ध **"बालकों के प्रति अभिभावकों का दैनंदिन व्यवहार में लिंग आचरण का अध्ययन"** की सम्पन्नता का संपूर्ण श्रेय श्रद्धेय **श्री संजयकुमार पंडागले सर**, व्याख्याता क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान, भोपाल को हैं। जिन्होंने निरंतर उचित परामर्श, पर्याप्त निर्देश तथा हमेशा प्रोत्साहन देकर शोधकार्य पूर्ण करने में अमूल्य सहयोग प्रदान किया हैं। प्रस्तुत लघुशोध प्रबन्ध आपके द्वारा शोधकार्य में आत्मीय व्यवहार एवं अविस्मरणीय वात्सल्य पूर्ण सहयोग का प्रतिफल हैं। जिन्होंने मुझे स्वयं के बहुमूल्य समय में से एक अध्यापक, अभिभावक तथा निर्देशक के रूप में पर्याप्त समय दिया हैं, अतः में उनका ऋणी हूं।"

मैं आदरणीय प्राध्यापक **डॉ. एम.सेन गुप्त**, प्राचार्य, क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान, भोपाल तथा **प्राध्यापक (श्रीमती) अविनाश ग्रेवाल**, विभागाध्यक्ष एवं अधिष्ठाता, शिक्षा विभाग, क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान, भोपाल और शिक्षा विभाग के सभी प्रवाचक और व्याख्याता के स्नेहपूर्ण व्यवहार, सहयोग तथा आशीर्वाद हेतु हृदय से आभारी हूं। जिन्होंने मुझे शोधकार्य की सम्पन्नता में मौलिक सहयोग प्रदान किया हैं।

मैं पुस्तकालय अध्यक्ष **श्री पी.के. त्रिपाठी** एवं पुस्तकालय के सभी कर्मचारियों का हृदय से आभारी हूं।

मैं परम मित्र श्री संजय परमार, चन्द्रेश राठोड़, चन्दन कुलकर्णी, केशव मूले, माधुरी बोरीकर एवं सभी सहपाठियों का धन्यवाद करता हूं। जिन्होंने समय-समय पर यह कार्य पूर्ण करने में मेरा साहस बढ़ाया।

मैं उन सभी अभिभावकों का आभारी हूं जिन्होंने मुझे प्रदत्त संकलन में अपना बहुमूल्य समय तथा सहयोग प्रदान किया।

मैं अपने परिवार के सभी सदस्यों का ऋणी रहूंगा, जिन्होंने मेरे अध्ययन से महत्वकांक्षा की पूर्ति हेतु तन, मन, धन से सहयोग दिया।

अंत में मैं उन सभी व्यक्तियों का धन्यवाद करना चाहूंगा जिन्होंने इस लघुशोध कार्य को पूरा करने में प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष रूप से मदद की है।

5/4/05

श्री हर्षद पटेल
एम.एड. (प्रारंभिक शिक्षा)
क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान, भोपाल

अनुक्रमणिका

अध्याय		पृष्ठ संख्या
प्रथम	शोधपरिचय 1.1– प्रस्तावना 1.2– भारत में स्त्री शिक्षा और स्त्री का स्थान 1.3– महिला शिक्षा की वर्तमान स्थिति 1.4– अध्ययन की आवश्यकता 1.5– समस्या कथन 1.6– अध्ययन के उद्देश्य 1.7– परिचालन परिभाषा 1.8– समस्या का सीमांकन	1–10
द्वितीय	सम्बन्धित साहित्य का पुनरावलकोन 2.2– भूमिका 2.3– पूर्व शोध कार्य का आकलन	11–20
तृतीय	शोध की प्रविधि 3.1– भूमिका 3.2– न्यादर्श चयन 3.3– परिवर्तयों 3.4– शोध में प्रयुक्त उपकरण 3.5– शोध में प्रयुक्त उपकरण का संचालन	21–22
चतुर्थ	प्रदत्तों का विश्लेषण एवं व्याख्या	23–45
पंचम	निष्कर्ष सुझाव एवं भावी शोध हेतु सुझाव 5.1– भूमिका 5.2– निष्कर्ष 5.3– सुझाव 5.4– भविष्य के लिए सुझाव सन्दर्भ ग्रंथ सूची परिशिष्ट शोध कार्य में उपकरण	46–52